



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खंड 3—उप-खंड (1)
PART II—Section 3—Sub-section (1)
प्राप्तिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 445] नई दिल्ली, शुक्रवार, नवम्बर 6, 1992/कार्तिक 15, 1914
No. 445] NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 6, 1992/KARTIKA 15, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ तंत्रमा वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be field as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजिकार्य विभाग)

प्रधिसूचना

नई दिल्ली, 6 नवम्बर, 1992

9 प्रतिशत राहत बांड, 1987

सा. का.नि. 856 (प्र).—एतद्वारा यह प्रधिसूचित किया जाता है कि 9 प्रतिशत
राहत बांड, 1987 के संबंध में 11 जनवरी, 1988 की प्रधिसूचना द्वारा यथासंशोधित

दिनांक 17 नवम्बर, 1987 की अधिसूचना संख्या एफ 4(31)-डब्ल्यू एम/87 में निम्नलिखित और समोधन किए जाएंगे, अर्थात्—

पैराग्राफ 5 में अन्तिम वाक्य अर्थात्—

“किसी भी दरिस्यति में अतिदेय अदायनियों के लिए कोई व्याज देनही होगा” के स्थाया जाए और निम्नलिखित प्रस्तुक को जोड़ा जाए और इसे हमेशा के लिए जोड़ा दृष्टा माना जाए :

“बशर्ते कि ऐसे धारक, जो उपर्युक्त पैरा 4 के उप-पैरा (4) की शर्तों के अनुसार बांडों के जारी होने की तारीख से 5 वर्ष की समाप्ति पर अपने बांडों को भुनाते नहीं हैं, को वार्षिक अतराल अथवा वार्षिक चक्रवृद्धि अधार पर, जैसा भी मामला हो, व्याज की 9 प्रतिशत वार्षिक दर से और व्याज देय होगा। वह व्याज परिपक्षता-जारी से विभीचन मूल्य की अवधारी के लिए बांडों को प्रस्तुत किए जाने के समय तक देय होगा।”

[संख्या एफ 4(9)-डब्ल्यू एम/92]

राष्ट्रपति के द्वारा से,
पूर्णन्दु भट्टाचार्य, अतिरिक्त बजट अधिकारी

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 6th November, 1992

9% Relief Bonds, 1987

G.S.R. 856(E).—It is hereby notified that the following further amendment shall be made in Notification No. F. 4(31)-W&M/87 dated 17th November, 1987, as amended by Notification dated 11th January, 1988, on the subject “per cent Relief Bonds, 1987, namely—

In paragraph 5, the sentence at the end, namely—

“no interest will be payable for overdue payments under any circumstances” shall be deleted and the following proviso shall be, and shall be deemed always to have been, inserted :

"Provided that for her interest at the rate of 9 per cent per annum shall be payable to such of the holders who do not encash their bonds on the expiry of 5 years from the date of their issue in terms of subparagraph (4) of paragraph 4 above, at annual intervals or compounded with annual rests, as the case may be. Such interest will be payable from the date of maturity till the time the bonds are presented for payment of discharge value."

[No. F. 4(9)-W&M/92]

By order of the President,

P. N. BHATTACHARYYA, Additional Budget Officer

